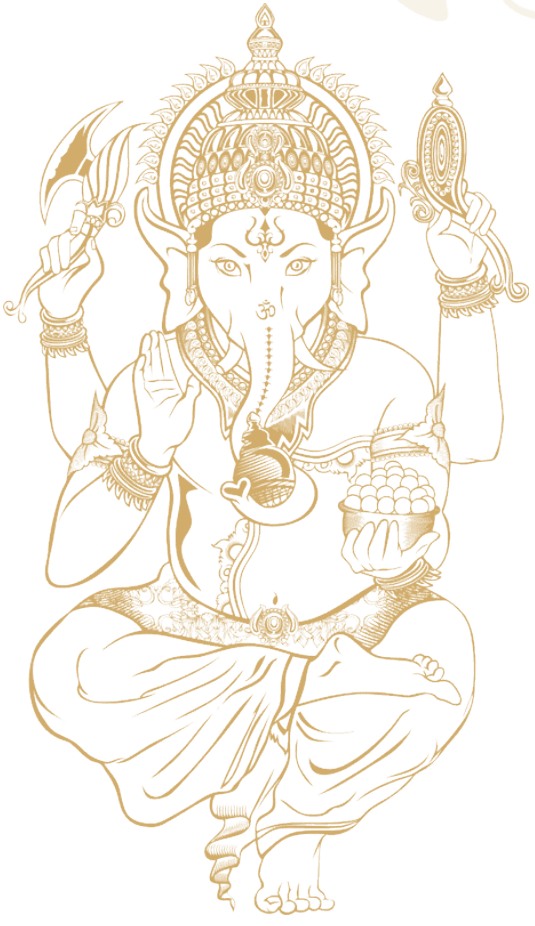

Mr.Prasad

Ms. Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120851403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/05/1998	जन्म तिथि	01/10/1999
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 50:22:06	जन्म समय(घटी)	35:40:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:36:09	सूर्योदय	06:13:52
19:00:19	सूर्यास्त	18:07:42
23:49:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 8वर्ष 5मा 21दि		03:30:18	कुंभ	लग्न	वृष	01:30:55	राहु 17वर्ष 6मा 7दि	
राहु		23:13:59	मेष	सूर्य	कन्या	14:08:14	गुरु	
28/10/2013		12:02:03	कन्या	चंद्र	मिथु	07:01:16	09/04/2017	
28/10/2031		24:26:25	मेष	मंगल	वृश्चि	25:13:03	09/04/2033	
राहु	10/07/2016	26:55:08	मीन	बुध	तुला	00:47:42	गुरु	28/05/2019
गुरु	03/12/2018	26:59:26	कुंभ	गुरु व	मेष	08:54:09	शनि	09/12/2021
शनि	09/10/2021	10:43:43	मीन	शुक्र	सिंह	02:00:33	बुध	15/03/2024
बुध	28/04/2024	02:33:28	मेष	शनि व	मेष	22:25:14	केतु	19/02/2025
केतु	16/05/2025	14:24:45	सिंह व	राहु व	कर्क	17:26:50	शुक्र	21/10/2027
शुक्र	16/05/2028	14:24:45	कुंभ व	केतु व	मक	17:26:50	सूर्य	09/08/2028
सूर्य	10/04/2029	18:52:20	मक	हर्ष व	मक	19:12:18	चन्द्र	09/12/2029
चन्द्र	10/10/2030	08:19:42	मक व	नेप व	मक	07:46:51	मंगल	14/11/2030
मंगल	28/10/2031	13:24:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14	राहु	09/04/2033

लग्न-चलित

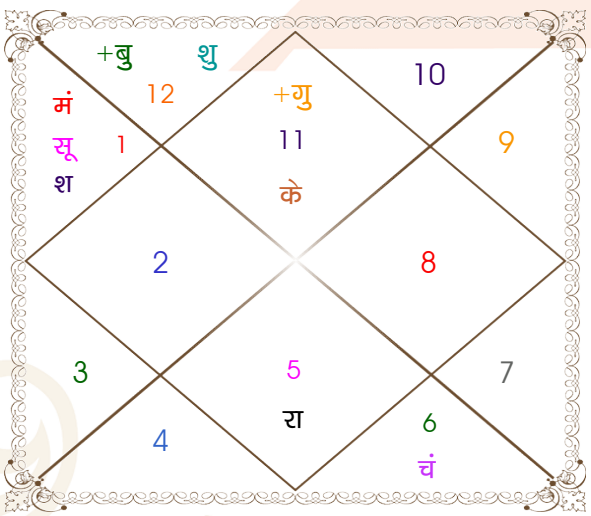

लग्न-चलित

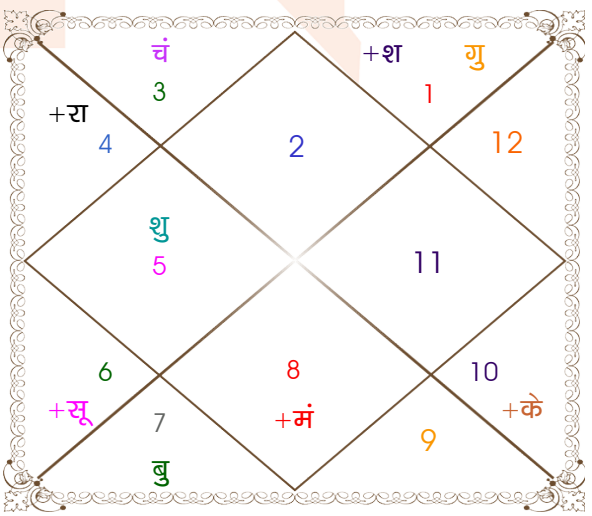

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण श्रंहतनजप का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr.Prasad का वर्ग मूषक है तथा डेण श्रंहतनजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Prasad और डेण श्रंहतनजप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Prasad मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Prasad कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Prasad कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Prasad तथा डेण श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।